राष्ट्रीय संस्करण

केबीसी में नंबर चार बल्लेबाज का सवाल पूछ सकते हैं अमिताभ : गावस्कर
>> 14

वर्ष 3 अंक 106

# दैनिक जागरण

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, मंगलवार, 24 सितंबर 2019
www.jagran.com
पृष्ठ 16

## सरोकार

### जागरण के आह्वान पर दो नदियों को मिला जीवनदान

**अमरोहा :** उत्तर प्रदेश के अमरोहा क्षेत्र की लगभग विलुप्त हो चलीं दो नदियों की

जलधारा लौट आई है। सोत और बान नदियों को नवजीवन देने के लिए दैनिक जागरण ने छह माह पहले अभियान छेड़ा था। जनता, नेता और प्रशासन सभी जुटे तो असंभव को संभव कर दिखाया। (पेज-10)

## न्यूज गैलरी

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

### सोनिया-मनमोहन ने तिहाड़ में चिदंबरम को दिया हौसला

**नई दिल्ली :** कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने सोमवार को तिहाड़ जेल में पी.चिदंबरम से भेंट कर संदेश दिया कि कांग्रेस पूरी तरह से पूर्व वित्तमंत्री के साथ खड़ी है। सोनिया ने जहां चिदंबरम का मनोबल बढ़ाया। वहीं, सरकार से आमने-सामने की जंग के इरादे भी साफ कर दिए।

नेशनल न्यूज ▸ पृष्ठ 7

### गुजरात में 16 साल से वांछित आतंकवादी गिरफ्तार

**अहमदाबाद :** गुजरात दंगों के बाद प्रदेश के युवकों को धर्म के नाम पर बरगलाकर हिंसा भड़काने व हिंदू नेताओं की हत्या की साजिश रचने के मामले में 16 वर्षों से वांछित आतंकी अब्दुल वहाब शेख को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। वह पाकिस्तानी आतंकी संगठनों व आइएसआइ के संपर्क में था।

बिजनेस ▸ पृष्ठ 12

### टैक्स सुधारों पर जोश बरकरार, सेंसेक्स 39 हजार के पार

**मुंबई :** कॉरपोरेट टैक्स में की गई कटौती का उत्साह सोमवार को भी निवेशकों में बरकरार दिखा। सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,075.41 अंकों की उछाल के साथ 39,090.03 के स्तर पर बंद हुआ। इंट्रा-डे में इसने 1,426 अंक तक की तेजी दर्ज की। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 326 अंक के साथ 11,600.20 के स्तर पर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय ▸ पृष्ठ 13

### पाक में हिंदू लड़की की हत्या की जांच कराने से जज का इन्कार

**कराची :** पाकिस्तान की स्थानीय अदालत के जज ने संदिग्ध हालात में मृत पाई गई हिंदू छात्रा नमृता चांदनी के मामले की न्यायिक जांच से इन्कार कर दिया है। इस मामले को लेकर विरोध प्रदर्शनों के बाद गृह विभाग ने न्यायिक जांच का आदेश दिया था। सिंध के घोटकी जिले की निवासी नमृता लरकाना के डेंटल कॉलेज की छात्रा थीं। उनका शव 16 सितंबर को हॉस्टल के कमरे में लटका मिला था।

स्पोर्ट्स ▸ पृष्ठ 14

### कोहली को मैदान पर दुर्व्यवहार के लिए मिली चेतावनी

**नई दिल्ली :** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली को मैदान पर दुर्व्यवहार के लिए चेतावनी जारी की है। साथ ही उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डीमेरिट अंक भी जोड़ दिया है। कोहली को बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी-20 मुकाबले में रन लेने के दौरान ब्यूरेन हेंड्रिक्स से गलत ढंग से कंधा टकराने के लिए दोषी पाया गया है।

# थॉमस कुक धराशायी, दुनियाभर में छह लाख से ज्यादा सैलानी फंसे

**लंदन, एजेंसियां :** दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे दिग्गज ब्रिटिश टूर व ट्रैवल कंपनी थॉमस कुक धराशायी हो गई है। इससे थॉमस कुक के माध्यम से अपने यात्रा और होटल की बुकिंग कराने वाले दुनिया भर के छह लाख से अधिक पर्यटक अलग-अलग देशों के होटलों में लगभग कैद हो गए हैं। इनमें अकेले ब्रिटेन के करीब डेढ़ लाख पर्यटक हैं। यूरोप के कई हिस्सों में एयरपोर्ट पर लंबी कतारें लगीं, क्योंकि लाखों पर्यटकों को यात्रा बीच में ही छोड़नी पड़ी। स्पेन में थॉमस कुक द्वारा संचालित विमानन सेवा की 46 उड़ानों को रद कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि पिछली सदी में दूसरे विश्वयुद्ध के बाद पहली बार इतने लोग दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में किसी एक संकट की वजह से फंसे हैं। कंपनी का परिचालन बंद होने के चलते 16 देशों में उसके करीब 21,000 कर्मचारी सड़क पर आ गए हैं, जिनमें 9,000 ब्रिटेन के ही हैं।

ब्रिटेन में कंपनी के दफ्तर के बाहर लगाई गई एक सूचना के माध्यम कंपनी के सीईओ पीटर फैंकहाउजर ने कहा कि उन्हें कंपनी बंद होने का बेहद अफसोस है। उनका कहना था कि मैं जानता हूं इसका नतीजा कई लोगों को अंदर तक हिला देने वाला हो सकता है और बहुत से लोग चिंता और तनावग्रस्त होने के अलावा मानसिक रूप से टूट भी सकते हैं।

**क्यों हुई यह हालत :** वैसे तो कंपनी की वित्तीय हालत पिछले कुछ वर्षों से बहुत अच्छी नहीं रही है, लेकिन कंपनी का कहना है कि ब्रेक्जिट की अनिश्चितताओं के चलते उसकी बुकिंग पिछले कई महीनों के दौरान काफी कम हो गई थी। इससे उसके ऊपर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा था। उसने दिवालिया होने से बचने के लिए पिछले सप्ताह शुक्रवार को सरकार से 20 करोड़ पाउंड यानी करीब 1,800 करोड़ रुपये की वित्तीय मदद मांगी थी। लेकिन सरकार ने इससे इन्कार कर दिया।

**भारत पर क्या असर होगा :** दुनियाभर से लाखों पर्यटक हर वर्ष थॉमस कुक के माध्यम

▸ कई देशों में एयरपोर्ट पर लंबी कतारें, कई जगह पर्यटक होटलों में कैद

▸ भारतीयों के दिक्कत में होने की खबर नहीं, सैलानियों की आमद प्रभावित होगी

ट्रैवल कंपनी थॉमस कुक के दिवालिया होने पर स्पेन में फ्लाइट के इंतजार में यात्री। रायटर

से बुकिंग कराकर भारत घूमने आते हैं। यहां के बहुत से होटलों के साथ थॉमस कुक का करार है। ऐसे में देश भर में पर्यटन पर इसका बुरा असर पड़ सकता है। होटल उद्योग पर भी इसका असर देखने में आएगा।

**भारतीय कंपनी सुरक्षित :** थॉमस कुक इंडिया ने स्पष्ट किया है कि वह 2012 में ही ब्रिटेन की कंपनी से अलग हो चुकी है। ऐसे में उसके परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उसके थॉमस कुक बॉर्डरलेस और वन करेंसी कार्ड्स पहले की तरह काम करते रहेंगे।

**पर्यटकों के लिए बुरी हालत :** पिछले शुक्रवार से ही ऐसी खबरें आने लगी थीं कि थॉमस कुक के माध्यम से बुकिंग कराने वाले कई यात्रियों को विभिन्न देशों में होटलों ने चेक-आउट देने से इन्कार कर दिया है। धीरे-धीरे दुनिया भर के पर्यटकों ने ऐसी शिकायतें शुरू कीं। इन होटलों को डर है कि थॉमस कुक उनका भुगतान करने में सक्षम नहीं है। एक अनुमान के मुताबिक, फंसे छह लाख पर्यटकों के अलावा करीब 10 लाख पर्यटक अपनी बुकिंग रद कराएंगे।

**ब्रिटेन ने शुरू किया अभियान :** दुनियाभर से अपने नागरिकों को विभिन्न होटलों से निकालने के लिए ब्रिटेन ने मैटरहार्न ऑपरेशन नामक प्रत्यर्पण कार्यक्रम शुरू किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि वे अपने नागरिकों को वापस लाने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार हैं। इसमें उसे दो हफ्ते लगने का अनुमान है।

मैनचेस्टर एयरपोर्ट पर खड़ा विमान। रायटर

### बात पते की

- ग्रीस ने कहा है कि उसके यहां करीब 50,000 पर्यटक विभिन्न होटलों में फंसे हैं, जिनमें अधिकांश ब्रिटिश हैं
- थॉमस कुक की जर्मन एयरलाइन शाखा कॉन्डोर ने कहा है कि उसके परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा
- ट्यूनीशिया के मंत्री ने कहा है कि उसके होटलों का थॉमस कुक का करीब छह करोड़ पाउंड बकाया है।

# पाक को देंगे बालाकोट से भी बड़ा जवाब : रावत

**सेना प्रमुख बोले ▸ पड़ोसी ने वहां फिर सक्रिय किया आतंकी अड्डा**

### कम से कम 500 आतंकी घुसपैठ की फिराक में

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने हाल में बालाकोट स्थित आतंकी अड्डे को फिर सक्रिय कर दिया है और करीब 500 आतंकी भारत में घुसपैठ की फिराक में हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि फिर शुरू हुए आतंकी अड्डे का भारत फरवरी में की गई एयर स्ट्राइक से भी बड़ा जवाब देगा।

जनरल बिपिन रावत ने सोमवार को अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी (ओटीए) के एक कार्यक्रम में दोहराया कि बालाकोट का आतंकी अड्डा सीमा पार हमले में नष्ट हो गया था। जिसके बाद आतंकी वहां से चले गए थे, लेकिन अब फिर से सक्रिय हो गए हैं। ज्ञात हो, 26 फरवरी को वायुसेना ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक कर जैश-ए-मुहम्मद के ठिकानों को तबाह कर दिया था। रावत से जब पूछा गया कि क्या फिर सक्रिय हुए आतंकी अड्डे पर दोबारा स्ट्राइक की संभावना है? इस पर उन्होंने कहा, 'आप एक ही जैसी चीज के दोहराव की अपेक्षा

जनरल बिपिन रावत ने सोमवार को चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी में यंग लीडर्स ट्रेनिंग विंग के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। प्रेट्र

क्यों करते हैं... पहले हमने कुछ किया था, फिर बालाकोट किया, हम इसे क्यों दोहराएं... क्यों न हम दूसरे पक्ष को अंदाजा लगाने दें कि हम क्या करेंगे, हम क्यों बताएं कि हम क्या करने वाले हैं, क्यों न उन्हें अंदाजा लगाने दें, दोहराने की बात क्यों करें, कुछ उससे बड़ा क्यों नहीं?'

**मौसम के अनुसार बदलती है घुसपैठियों की संख्या :** सेना प्रमुख ने कहा, मौसम के मुताबिक घुसपैठियों की संख्या और जगहें बदलती रहती हैं, लेकिन फिलहाल 500 आतंकी घुसपैठ (लिपा घाटी में) की फिराक में हैं। नियंत्रण रेखा पर ज्यादा जवानों की तैनाती करके घुसपैठ पर लगाम लगाने के उपाय किए गए हैं। साथ ही अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अन्य क्षेत्रों में ऐसी संभावनाओं को तलाशा जा रहा है।

**संघर्ष विराम उल्लंघन से निपटना जानते हैं :** रावत ने कहा, 'घुसपैठ कराने के लिए पाक संघर्ष विराम का उल्लंघन करता है। हमें पता है कि इससे कैसे निपटना है। किन पोजिशंस पर रहना है और कैसे कार्रवाई करनी है। हम सतर्क हैं। हमें सुनिश्चित करना है कि घुसपैठ न हो।' सूत्रों ने बताया कि नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ रोकने के लिए सेना को पूरी आजादी दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, सेना प्रमुख ने घुसपैठ की फिराक में बैठे जिन आतंकियों का जिक्र किया है, वह भारत के कई शहरों में अहम संस्थाओं को निशाना बनाने की है।

**आतंकियों का आकाओं से संपर्क टूटा :** रावत ने आगे कहा, 'कश्मीर घाटी में आतंकियों और पाक स्थित उनके आकाओं के बीच संपर्क टूट गया है, लेकिन लोगों के आपस में वार्ता पर कोई पाबंदी नहीं है। सभी टेलीफोन लाइनें शुरू कर दी गई हैं।' राज्य में कोई कठोर प्रतिबंध नहीं है। लोग रोजमर्रा का काम कर रहे हैं। कुछ दुकानें बंद हैं, लेकिन पीछे से उन दुकानों से खरीदारी हो रही है।

# कश्मीर के बंद पड़े 50 हजार मंदिरों में फिर से होगी आरती

**बेंगलुरु, एएनआइ :** आतंकवाद के चलते जम्मू-कश्मीर में बंद पड़े करीब 50 हजार मंदिरों में फिर से आरती होगी और शंख ध्वनि गूंजेगी। केंद्र सरकार इन मंदिरों, बंद पड़े सिनेमाघरों व शैक्षणिक संस्थाओं को फिर खोलेगी। इसके लिए जल्द ही सर्वे कराया जाएगा।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'हमने वर्षों से बंद पड़े स्कूलों को फिर से खोलने के लिए समिति का गठन किया है। पिछले कई वर्षों में करीब 50 हजार मंदिर बंद हो गए, उनमें से कुछ नष्ट हो गए और मूर्तियां खंडित हो गई थीं। हमने ऐसे मंदिरों के सर्वे का आदेश दिया है और उन्हें फिर से खोला जाएगा। कश्मीर घाटी में पिछले 20 वर्षों से बंद पड़े सिनेमाघरों को भी फिर से खोलने पर विचार कर रहे हैं। हम स्कूल, सिनेमाघरों, मंदिरों और अन्य चीजों का सर्वे कराएंगे जो अब बंद हैं।'

**हर गांव से पांच लोगों को सरकारी नौकरी :** जी. किशन रेड्डी ने कहा, 'वहां सरकार की काफी जमीन उपलब्ध है, इसलिए जो निवेश करना चाहते हैं उन्हें जमीन खरीदने की जरूरत नहीं है। हम उन्हें जमीन देंगे ताकि वे वहां संस्थान खोल सकें। गृह राज्यमंत्री ने कहा, राज्य में हम हर गांव से पांच लोगों को सरकारी पदों पर भर्ती कर रहे हैं। सेना के तीनों अंग भी भर्ती अभियान की योजना बना रही हैं। जम्मू-कश्मीर में हम विवि खोलने की योजना बना रहे हैं। हमने पर्यटन को प्रोत्साहन देने का भी फैसला किया है।'

जी. किशन रेड्डी फाइल

आतंकवाद के चलते बंद हो गए थे ये मंदिर, सरकार कराएगी सर्वे, बंद सिनेमाघर भी फिर खोलेगी सरकार

**एसीबी करेगी जांच :** उन्होंने कहा, 'जम्मू-कश्मीर में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) नहीं था। हमने एसीबी की स्थापना की है। सरकार ने करोड़ों रुपये दिए हैं, लेकिन खर्च नहीं किए गए। एसीबी इसकी जांच शुरू करेगी।'

**गुलाम कश्मीर भी एजेंडे में :** उन्होंने कहा, 'गृह मंत्री और रक्षा मंत्री पाकिस्तान और आतंकियों को पहले ही चेतावनी दे चुके हैं। लेकिन हम इसे लेकर बेहद सतर्क हैं... गुलाम कश्मीर समेत पूरा देश हमारे एजेंडे में है। जैसा कि हमारे नेता कह चुके हैं और मैं भी कह रहा हूं कि जरूरत हुई तो गुलाम कश्मीर के लिए हम अपना जीवन भी कुर्बान कर देंगे।' गृह राज्यमंत्री ने कहा, 'हम जम्मू-कश्मीर में बच्चों के हाथों में कंप्यूटर और भारतीय ध्वज देंगे। जो लोग राष्ट्र ध्वज जलाते थे जम्मू-कश्मीर में उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं है। आगामी दिनों में अगर कोई भी राष्ट्र ध्वज जलाएगा तो उनके साथ भी नियमों के मुताबिक अन्य राज्यों की तरह व्यवहार किया जाएगा।'

अब रघुनाथ मंदिर में जय श्रीराम के जयघोष की प्रतीक्षा पेज>>11

# एनआरसी से किसी भी हिंदू को देश नहीं छोड़ना होगा : भागवत

**जागरण संवाददाता, कोलकाता :** बंगाल की राजधानी कोलकाता के दौरे पर पिछले 19 सितंबर पर पहुंचे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत भागवत ने एनआरसी को लेकर अहम बयान दिया है। मोहन भागवत ने कहा है कि किसी भी हिंदू व्यक्ति को एनआरसी के तहत देश नहीं छोड़ना होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) व भाजपा नेताओं के बीच हुई बैठक में एनआरसी का मुद्दा उठा था। जिस पर भागवत ने कहा, किसी हिंदू को एनआरसी के तहत देश नहीं छोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि दूसरे देशों में जिन हिंदुओं का शोषण हुआ है, वे अपनी मातृभूमि वापस लौट सकते हैं।

मोहन भागवत कोलकाता व हावड़ा में लगातार बैठकें कर रहे हैं। इन्हीं सांगठनिक बैठकों में उन्होंने बयान दिया कि हिंदुओं को देश नहीं छोड़ना होगा। इस बैठक के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कई सदस्य उपस्थित थे। हालांकि, बैठक में भाग लेने वाले एक वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि इस राज्य में हिंदुओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है। यहां बताते चलें कि एनआरसी को लेकर लोगों के बीच भय व्याप्त है। सोमवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा नेताओं ने एनआरसी को लेकर भय का माहौल बना दिया है जिसकी वजह से अब तक छह लोगों की मौत हो चुकी है।

# हिंदुओं की आस्था को चुनौती दी तो मुश्किल होगी : कोर्ट

**माला दीक्षित, नई दिल्ली**

अयोध्या राम जन्मभूमि पर हिंदुओं के दावे को सिर्फ आस्था और विश्वास पर आधारित बता रहे मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन से सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर वह हिंदुओं की आस्था और विश्वास को चुनौती देंगे तो उनके लिए मुश्किल होगी। चूंकि मामले में मुस्लिम गवाहों ने कहा है कि हिंदुओं का विश्वास है कि राम का वहां जन्म हुआ था और जैसे मुसलमानों के लिए मक्का है वैसे ही हिंदुओं के लिए अयोध्या है। धवन को दलीलों के प्रति सचेत करने वाली यह टिप्पणी न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ ने की। हालांकि धवन ने विवादित भूमि पर मुस्लिमों का दावा जताते हुए कहा, अंदर मूर्ति नहीं थी, पूजा नहीं होती थी। मूर्ति बाहर चबूतरे पर थी जहां पूजा होती थी। सिर्फ आस्था के आधार पर जन्मस्थान को न्यायिक व्यक्ति नहीं माना जा सकता।

**अयोध्या की पुकार**
**सुनवाई का 29वां दिन**

**कोर्ट की टिप्पणी**

जैसे मुस्लिमों के लिए मक्का है, वैसे ही हिंदुओं के लिए अयोध्या है।
-जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़

मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन ने जन्मस्थान को देवता और न्यायिक व्यक्ति माने जाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि जन्मस्थान को न्यायिक व्यक्ति कहने की अवधारणा का जन्म 1989 में हुआ जब रामलला की ओर से मालिकाना हक का मुकदमा दाखिल हुआ। उस मुकदमे में रामलला विराजमान के अलावा जन्मस्थान को अलग से पक्षकार बनाया गया। हालांकि जस्टिस एसए बोबडे ने सोमवार को फिर कहा कि इससे पहले ऐसा कहने का मौका कब आया था। जस्टिस चंद्रचूड़ ने धवन से सवाल किया कि अगर रामलला और जन्मस्थान दोनों को न्यायिक व्यक्ति माना जाता है तो इसके क्या परिणाम होंगे और अगर सिर्फ रामलला (मूर्ति) को ही न्यायिक व्यक्ति माना जाता है तो उसका क्या परिणाम होगा। धवन ने कहा कि इस मुकदमे में सोच समझकर जन्मस्थान को न्यायिक व्यक्ति मानते हुए अलग से पक्षकार बनाया गया है ताकि इस पर प्रतिकूल कब्जे और समयसीमा का नियम लागू न हो। मुकदमा सभी दावों से मुक्त हो जाए। धवन ने कहा, लेकिन उनके मुताबिक दोनों या उनमें से एक को न्यायिक व्यक्ति मानने का परिणाम समान होगा। धवन ने जन्मभूमि की परिक्रमा के बारे में गवाहों के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि गवाहियों में अंतर है। इन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस पर जस्टिस अशोक भूषण ने कहा कि परिक्रमा की गवाहियां उस जगह की पवित्रता के बारे में बताती हैं। धवन ने कहा कि हिंदुओं की यह दलील मानने योग्य नहीं है कि देवता हमेशा नाबालिग होते हैं, इसलिए समय सीमा का नियम उन पर लागू नहीं होगा।

### धवन की दलील, मस्जिद हमेशा मस्जिद रहती है

धवन ने कहा कि एक बार बनी मस्जिद हमेशा मस्जिद रहती है। वहां मस्जिद थी जिसमें मुसलमान नियमित नमाज करते थे। वह मस्जिद कभी भी परित्यक्त और खाली नहीं छोड़ी गई। आखिरी बार वहां 16 दिसंबर 1949 को नमाज हुई। 22-23 दिसंबर 1949 को वहां अंदर मूर्ति रखी गई।

बिना मूर्ति का भी होता है मंदिर पेज>>5

# मप्र-छग में चिटफंड कंपनियों ने 80 लाख लोगों से हड़पे ढाई हजार करोड़ रुपये

**राजीव सोनी, भोपाल**

बंगाल और ओडिशा की तरह मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में भी चिटफंड कंपनियों ने करीब 80 लाख लोगों से तकरीबन ढाई हजार करोड़ रुपये हड़प लिए। पीएसीएल (पर्ल एग्रोटेक कॉर्पोरेशन लिमिटेड) समेत करीब तीन दर्जन कंपनियों ने रकम दोगुनी करने का लालच देकर यह राशि दबा ली। धोखाधड़ी के शिकार लोगों में ज्यादातर निम्न मध्यमवर्गीय एवं कर्मचारी हैं। कमलनाथ सरकार ने पुलिस की को-ऑपरेटिव फ्राड शाखा को मामले की जांच सौंपी है। ज्ञात हो, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने चिटफंड कंपनियों द्वारा बीते 20-25 वर्षों में सूबे की जनता के साथ हुई धोखाधड़ी की जांच कराने के बारे में मुख्यमंत्री कमलनाथ को पत्र लिखा था। साथ ही कंपनियों की संपत्ति बेचकर निवेशकों के पैसे चुकाने का सुझाव दिया है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सबसे बड़ी कंपनी पीएसीएल थी, जिसने बड़े शहरों में दफ्तर खोलकर पहले लोगों का विश्वास जीता, फिर अरबों रुपये ले लिए। करीब तीन दर्जन छोटी-बड़ी कंपनियां तीन से पांच साल में पैसा दोगुना करने का लालच देकर लोगों की गाढ़ी कमाई लेकर वापस करने से मुकर गईं। इन चिटफंड कंपनियों के खिलाफ जिला से लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी केस चले पर लोगों को पैसा वापस नहीं मिल पाया।

**निवेशकों ने खोला मोर्चा :** ऑल इंवेस्टर्स सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन (एआईएसओ) नई दिल्ली एवं सर्व हित महाकल्याण वेलफेयर फाउंडेशन जैसी संस्थाओं ने धोखाधड़ी के शिकार लाखों निवेशकों की ओर से इन कंपनियों के खिलाफ मोर्चा खोला है। इनकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट ने पीएसीएल मामले में 2016 में फैसला दिया था कि छह माह में प्रॉपर्टी बेचकर पैसा लौटाएं। जस्टिस आरएम लोढ़ा की अध्यक्षता में समिति भी गठित की गई थी, लेकिन निवेशक अब भी अपने पैसों के लिए परेशान हैं।

**47** लाख निवेशकों के 1300 करोड़ रुपये अकेले पर्ल एग्रोटेक कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने हड़पे

**35** लाख लोगों के 1200 करोड़ से ज्यादा की रकम तीन दर्जन अन्य कंपनियों ने लूटी

**राशि दोगुना करने का लालच :** एआईएसओ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एलएम पांडे बताते हैं कि पीएसीएल मप्र-छग के 47 लाख निवेशकों का 1300 करोड़ रुपये हड़पकर बैठी है। बाकी तीन दर्जन अन्य कंपनियों ने दोनों राज्यों के 35 लाख लोगों के 1200 से 1300 करोड़ रुपये प्रलोभन देकर हड़प लिए हैं। भोपाल संभाग के जिलों से ही करीब ढाई लाख निवेशकों का पैसा ये चिटफंड कंपनियां लेकर बैठ गईं, जबकि कुछ फरार हैं। उन्होंने बताया कि पूरे देश से पांच करोड़ 86 लाख निवेशकों को ठगा गया। चिटफंड कंपनियों ने अपने एजेंट तैनात कर छोटे-छोटे निवेशकों से साप्ताहिक, मासिक, त्रैमासिक, छमाही अथवा एक साल की किस्तों में पैसे वसूल किए और लौटाने के नाम पर मुकर गईं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों के हक में कंपनी बंद कर पैसा दिलाने का निर्णय भी दिया, लेकिन अमल नहीं हो पाया। 'सेबी' ने पीएसीएल द्वारा खरीदी गईं जमीनों की रजिस्ट्री भी जब्त की हैं।

**हरकत में आया पुलिस मुख्यालय :** मप्र में को-ऑपरेटिव फ्रॉड शाखा के मुखिया अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजेंद्र मिश्रा ने मामले में जांच शुरू करने की पुष्टि की है। छग की तर्ज पर ऑनलाइन शिकायत निवारण पोर्टल बनाने को भी कहा है।

## कूटनीतिक सफलता

अगले पांच दिन भारतीय कूटनीति के लिए बेहद अहम पीएम नरेंद्र मोदी न्यूयॉर्क पहुंचे, यहां भी ह्यूस्टन जैसा ही माहौल, राष्ट्रपति ट्रंप के साथ द्विपक्षीय वार्ता पर दुनियाभर की नजर

# मोदी और ट्रंप ने आगामी वार्ता की टोन भी की सेट

**आशुतोष झा, न्यूयॉर्क**

जैसा माहौल ह्यूस्टन का था, वैसा ही न्यूयॉर्क का है। 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम ने जिस तरह का असर कूटनीतिक सर्किल में और अमेरिका में रहने वाले भारतीय समुदाय पर छोड़ा है उसकी बानगी लॉटे एनवाई पैलेस होटल में भी देखी जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले पांच दिनों तक इसी होटल में रहेंगे। उनके होटल पहुंचने से पूर्व ही प्रवासी भारतीयों का जमावड़ा वहां लगना शुरू हो गया था। होटल के कर्मचारियों के लिए दुनिया के दिग्गज राष्ट्र प्रमुखों की अगवानी करना कोई नई बात नहीं है, लेकिन किसी देश के प्रमुख के लिए ऐसी दीवानगी वह पहली बार देख रहे थे। यहां कश्मीरी पंडितों का एक बड़ा जत्था नारे लगा रहा था, 'माइजी काशीर, सायीन काशीर' (मां कश्मीर, मेरा कश्मीर)। ह्यूस्टन में मोदी ने भारतीय कूटनीति का जो नया चेहरा पेश किया है उसे देखते हुए उनके अगले पांच दिनों के कार्यक्रम पर भी दुनियाभर की नजरें टिकी रहेंगी। वैसे इस कार्यक्रम के जरिये मोदी-ट्रंप ने बुधवार की द्विपक्षीय वार्ता की टोन भी सेट कर दी है।

ह्यूस्टन में रविवार देर रात हाउडी मोदी इवेंट में भाषण समाप्त करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। फाइल फोटो

प्रधानमंत्री मोदी अन्य बैठकों के अलावा संयुक्त राष्ट्र की तरफ से आयोजित दो अहम बैठकों में भी शिरकत करेंगे। लेकिन जिस बैठक पर सभी लोगों की नजरें टिकी हैं वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी बुधवार को होने वाली द्विपक्षीय बैठक है। ह्यूस्टन में 'हाउडी मोदी' को संबोधित करते हुए दोनों नेताओं ने इस बैठक की रूपरेखा स्पष्ट कर ही दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बात के संकेत दिए कि अमेरिकी चाहता है कि भारत जल्द से जल्द कुछ बड़े रक्षा सौदों पर मुहर लगाए। दूसरी तरफ मोदी ने कारोबारी समझौतों को लेकर दोनों पक्षों में जबर्दस्त बातचीत होने की बात कही है। ट्रंप ने कहा था कि दोनों देशों के बीच कई अहम रक्षा सौदों पर बात हो रही है जिस पर जल्द ही सहमति बनने के आसार हैं। मोदी ने अपने भाषण में कहा, 'कारोबारी मुद्दों पर हम जल्द ही बात करेंगे। मुझे मालूम है कि राष्ट्रपति ट्रंप बहुत बड़े वार्ताकार हैं और मैं भी उनसे सीखने की कोशिश कर रहा हूं।'

इस बीच, न्यूयॉर्क से प्रकाशित होने वाले सभी प्रमुख समाचार पत्रों ने मोदी और ट्रंप की 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम की फोटो को पहले पन्ने पर जगह दी है। अमेरिका के कूटनीतिक विशेषज्ञ स्वीकार रहे हैं कि इसे भारत-अमेरिका के रिश्तों को प्रगाढ़ करने की दिशा में अहम घटना के तौर पर जाना जाएगा। एशिया प्रशांत मामलों के विशेषज्ञ डेरेक जे. ग्रोसमैन के मुताबिक, 'अमेरिका-भारत ने आपसी मतभेदों को दरकिनार कर यह दिखा दिया है कि इनके बीच कितनी समानताएं हैं। इस तरह का 'हाउडी, शी' (चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नाम पर) कार्यक्रम नहीं किया जा सकता।' अमेरिकी विदेश मंत्रालय में दक्षिणी व केंद्रीय एशिया विभाग के उपसचिव एलिस जी. वेल्स ने ट्वीट किया, 'हाउडी मोदी एक तरह से बड़ी भीड़, बड़े विचारों और दूरदर्शी नेतृत्व को प्रदर्शित करने वाला कार्यक्रम रहा। भारतीय समुदाय की ताकत बेजोड़ है। मैं न्यूयार्क में रहकर भी ह्यूस्टन में हो रहे कार्यक्रम में उनकी आवाज सुन सकती हूं।' अमेरिकी राजनीति में अपनी पहचान बना चुकीं भारतीय मूल की नेत्री और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व प्रतिनिधि निक्की हेली ने भी 'हाउडी मोदी' को दोनों देशों के बीच बढ़ रही परिपक्व साझेदारी के तौर पर चिन्हित किया।

बहरहाल, मोदी न्यूयॉर्क में अपने पहले दिन की शुरुआत पांच द्विपक्षीय बैठकों के साथ कर चुके हैं। इसमें कतर के शेख तामिम बिन हमद अल थानी, नाइजर के राष्ट्रपति महमादोउ इशोउफू, इटली के प्रधानमंत्री गुएसेपे कांटे, नामीबिया के राष्ट्रपति हेग गीनगोब और मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के साथ बैठक शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले, अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को दोगुना करेगा भारत पेज>>5